a2zpapers.com

Exam. Code : 103205
Subject Code : 1194

B.A./B.Sc. 5th Semester

HINDI (Elective)

(Vishist Kavi Evam Kavya Sidhant, Kaamkaji Hindi Tatha Reetikaal)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **तीन** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—एक

निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का **1** अंक हैं :—
20×1=20

(i) वंशस्थ छन्द का लक्षण बताएं।

(ii) दोहा छन्द में कितनी मात्राएं होती हैं। ?

(iii) गीतिका छन्द की क्या पहचान है ?

(iv) वसंततिलका छन्द का लक्षण बताएं।

(v) भुजंगप्रयात छन्द की विशेषता बताएं।

(vi) कवित्त छन्द का लक्षण बताएं।

(vii) मालिनी छन्द किसे कहते हैं ?

निम्नलिखित प्रशासनिक पदनामों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :—

(viii) Lecturer.

(ix) Medical Officer.

(x) Editor in Chief.

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

(xi) Chancellor.

(xii) Air Hostess.

(xiii) Patent Officer.

(xiv) Chief Justice.

(xv) 'मति के अनुसार' का समास क्या होगा ?

(xvi) 'संदेह के बिना' का समास बनाएं।

(xvii) 'दो पहरों का समूह' का समास बनाएं।

(xviii) 'देव और असुर' का समास क्या है ?

(xix) 'दस आनन वाला' का समास बनाएं।

(xx) 'चरणकमल' का समास विग्रह करें।

भाग—दो

नोट :— यह खंड दो उपभागों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—एक

निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करें :— 2×6=12

(क) मैं जाति-गोत्र से हीन, दीन, राजाओं के सम्मुख मलीन,
जब रोज अनादन पाता था, कह 'शूद्र' पुकारा जाता था।
पत्थर की छाती फटी नहीं,
कुन्ती तब भी तो कटी नहीं।
मैं सूत-वंश में पलता था, अपमान-अनल में जलता था,
सब देख रही थी दृश्य पृथा, माँ की ममता, पर, हुई वृथा।
छिप कर भी तो सुधि ले न सकी,
छाया अंचल की दे न सकी।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

(ख) इसलिए, पुत्र ! अब भी रुककर, मन में सोचो, यह महासमर किस ओर तुम्हें ले जायेगा ? फल अलभ कौन दे पायेगा ?

मानवता ही मिट जायेगी ?

फिर विजय सिद्धि क्या लायेगी ?

ओ मेरे प्रतिद्वन्द्वी मानी ! निश्छल पवित्र, गुणमय, ज्ञानी,

मेरे मुख से सुन पुरुष वचन, तुम वृथा मलिन करते थे मन।

मैं नहीं निरा अवशंसी था,

मन-ही-मन बड़ा प्रशंसी था।

(ग) वृथा है पूछना किसने किया क्या,

जगत् के धर्म को सम्बल दिया क्या।

सुयोधन था खड़ा कल तक जहाँ पर,

न हैं क्या आज पाण्डव ही वहाँ पर ?

(घ) है वृथा धर्म का किसी समय, करना विगह के साथ ग्रथन,

करुणा से कढ़ता धर्म विमल है, मलिन पुत्र हिंसा का रण।

जीवन के परम ध्येय-सुख-को सारा समाज अपनाता है,

देखना यही है, कौन वहाँ तक किस प्रकार से जाता है ?

उपभाग—दो

निम्नलिखित **चार** खण्डों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिये जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **एक** प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है :— $6 \times 6 = 36$

खंड—क

(क) 'रश्मिरथी' का उद्देश्य स्पष्ट करें।

(ख) 'रश्मिरथी' की भाषा-शैली पर विस्तारपूर्वक नोट लिखें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

खंड—ख

(क) काव्य का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी परिभाषाएं लिखें।

(ख) काव्य के विभिन्न तत्त्वों का उल्लेख करें।

खंड—ग

(क) भुजंगप्रयात छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखें।

(ख) इन्द्रवज्रा छन्द का उदाहरण सहित लक्षण स्पष्ट करें।

खंड—घ

(क) 'संक्षेपण' से क्या अभिप्राय है ? विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(ख) 'प्रारूपण' का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रारूपण के प्रकारों पर चर्चा करें।

भागतीन

नोट :— निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तारपूर्वक उत्तर दें :—
16×2=32

(i) रीतिकाल की परिस्थितियों का उल्लेख करें।

अथवा

रीतिकाल के नामकरण पर चर्चा करें।

(ii) रामधारी सिंह दिनकर का व्यक्तित्व-कृतित्व स्पष्ट करें।

अथवा

'रश्मिरथी' के भाव-पक्ष को स्पष्ट करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab